

स्वरों की सुरीली शोभा



कुदरत के नायाब करिश्मों में से एक है शास्त्रीय संगीत। यूँ भारत में इस विधा की एक सुदीर्घ परम्परा है पर विरले ही हैं जो अपनी सुरिली सक्रियता से आपके मानस पर असर छोड़ते हैं। कहते हैं आप शास्त्र को कितना साधते हैं यह महत्वपूर्ण नहीं; शास्त्र आपको कितना स्वीकारता है यह अधिक महत्वपूर्ण है। शोभा चौधरी शास्त्रीय संगीत की ऐसी ही साधिका हैं जिन्होंने स्वर में निरंतर तल्लीनता से अपनी खोज को जारी रखा है। यूँ देखा जाए तो शास्त्रीय गायन रंजकता और मिठास का विस्तार तो है ही साथ ही अपने मन-मानस में सुरों की वह तलाश भी है जिसे एक कलाकार बहुत शिद्धत से करना चाहता है। शोभा चौधरी उसी तलाश की अनुगामिनी हैं। उन्हें महफ़िल को बाँधना भी आता है और वे स्वर वैभव का आलोक भी अपने अंतस में महसूस करती जाती हैं।

शोभा चौधरी शैशावस्था में ही संगीत की तरफ़ आकृष्ट हुईं। माँ के स्वरों में झरते भजनों और पिता की सुमधुर वंशी ने शोभा चौधरी के बाल मन में संगीत का जादू जगाया। कालांतर में यह आरंभिक जिज्ञासा उनके जीवन की प्रतिबद्धता बन गई और उन्होंने अपने आपको इसी ओर झोंक दिया। अभिभावकों के प्रोत्साहन से शोभा चौधरी ने संगीत की अभिरुचि को गंभीरता दी और वे छोटी-छोटी महफ़िलों में भक्ति संगीत की प्रस्तुति देने लगीं।

शोभा चौधरी की विधिवत एवं आरंभिक तालीम वर्धा (महाराष्ट्र) के गुरुजनों की देखरेख में हुई। श्री माधवराव जोशी, पं. वामनराव राजुरकर (विदुषी मालिनी राजुरकर के श्वसुर) एवं पं. बाळा साहब पूंछवाले ने शोभा चौधरी के शास्त्रीय गायन को तराशा है। गायनाचार्य पद्मभूषण **पं. सी.आर. व्यास** के सान्निध्य से ही शोभा चौधरी की सांगीतिक यात्रा सुशोभित हुई है।

तुमरी की महारानी **विदुषी गिरिजादेवी** की शिष्या के रूप में शोभा चौधरी को मिल रही तालीम ने उनकी संगीत यात्रा को कुछ और समृद्ध किया है।

शोभा चौधरी के गायन में माधुर्य के साथ शास्त्र का गहन निर्वाह तथा तकनीक के साथ स्वरों का ऐसा विन्यास सुनाई देता है जो न केवल श्रवणीय है बल्कि अलौकिक भी। बन्दिश और स्वर के बीच समुचित लयकारी से यह गायिका महफ़िल में शास्त्रीय संगीत का ऐसा ताना-बाना रचती है जो श्रोता के मन पर एक अविस्मरणीय छाप छोड़ देती है। शोभा चौधरी **भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद** (आईसीसीआर) द्वारा नामित कलाकार हैं। वे आकाशवाणी की बी-हाई श्रेणी कलाकार हैं।

शोभा चौधरी



अकादमिक उपलब्धियाँ :

शोभा चौधरी ने बीएससी (गणित) के बाद वर्धा के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान से बी.एड. की डिग्री में उच्च स्थान प्राप्त किया। संगीत के प्रति नैसर्गिक रुझान के चलते उन्होंने गायन में एम.ए. करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। एम.फिल में 'संगीत के द्वारा रोग चिकित्सा' शोभा चौधरी का शोध विषय था जिसमें उन्होंने 93% अंक प्राप्त किये। उन्हें चैन्नई में गान विदुषी और दिल्ली में उस्ताद अमीर खाँ संगीत सम्मान से अलंकृत किया गया है।

प्रमुख मंचीय प्रस्तुतियाँ :

- ▶ तानसेन संगीत समारोह, ग्वालियर (सन 2009, 2016)
- ▶ भारत भवन-भोपाल
- ▶ एनसीपीए (गुनीजान बैठक) मुंबई
- ▶ सप्तक एवं संकल्प, अहमदाबाद
- ▶ हरिवल्लभ संगीत सम्मेलन, जालंधर
- ▶ सवाई गंधर्व संगीत उत्सव, कुण्डगोल (धारवाड़)
- ▶ मध्यप्रदेश संगीत समारोह, जबलपुर
- ▶ अमीर खाँ समारोह, इन्दौर (1998, 2022)
- ▶ संकट मोचन संगीत समारोह, वाराणसी
- ▶ पं. जितेन्द्र अभिषेकी संगीत समारोह, उज्जैन
- ▶ ब्रह्म महाराष्ट्र अ. भा. संगीत सम्मेलन, दिल्ली
- ▶ कला भारती, माटुंगा
- ▶ मूर्छना-09 स्वरांजली, नई दिल्ली
- ▶ कला प्रकाश, वाराणसी
- ▶ पं. कुमार गंधर्व उत्सव, फल्टन, पुणे
- ▶ डॉ. प्रभा अत्रे फाउंडेशन, पुणे
- ▶ ब्रह्मनाद संगीत महोत्सव, पुणे
- ▶ गुनीदास संगीत सम्मेलन, मुंबई
- ▶ नादब्रह्म (बोरीवली, मुंबई)
- ▶ महाराष्ट्र कला निधि-व्यास वंदना, चेम्बूर
- ▶ संगीत नाटक अकादमी : रुह-ए-गज़ल, जश्न-ए-बेगम अख्तर
- ▶ समर्पण - वाशी

इसके अलावा महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, आंध्रप्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गोवा और अमेरिका के सांगीतिक अनुष्ठानों में भी शोभा चौधरी की प्रस्तुतियों को सराहा गया है।

Shobha Choudhary

As a child when her mother sang Bhajans and father played the flute, she listened to them in rapt attention. This first response to the magic of musical notes became a serious involvement and a commitment for her in later life.

With the encouragement of her parents she started taking lessons in music at a tender age and by nine and began singing in the front of small audience at her home. Her serious study of the Indian classical music started under guidance of noted musicians in Wardha (Maharashtra).

Taleem :

Another stint of ten years under the tutelage of Late Shri Madhavrao Joshi of Indore was very fruitful for her. Intrinsic qualities of khayal gayaki and desiring to assimilate something new and effective about khayal gayaki, Shobha has been fortunate to take lessons (Taleem) from maestros like Late Pt. Vamanrao Rajurkar (father in law of Vidushi Malini Rajurkar), **Padmabhushan Pt. C.R. Vyas** and Pt. Balasaheb Puchhawale.

Queen of Thumri

Vidushi Girija Devi has accepted Ms. Choudhary as her disciple.

This has opened new avenues for light music specially Thumri.

entirely adorning and beautifying it with the splendid modulation of its swaras. Shobha Choudhary is an empaneled artist of **I C C R**. Shobha Choudhary is B-High grade artist of AIR.

Academics :

Being a bright student, Shobha completed her Bachelors' degree, B.Sc. (Mathematics) and B.Ed as a topper of college in Wardha. With natural instinct towards music, she stood 1st in Merit (Gold medalist) in M.A. (vocal music) and acquired 93% marks in M.Phil (Thesis : *Sangeet ke dwara Rog Chikitsa- Healing through Music Therapy*). She was honoured as 'Gan Vidushi' in Chennai & Ustad Amir Khan Sangeet Award in Delhi.

Social Responsibility :

She is a contributor in healing through Music Therapy. Her research is proving to be a great medicine for the Asthma patients.

Shobha is also mentoring her students for stage performances.

She is associated with many organizations nation wide for the welfare and awareness of Indian Classical Music.

Major Concerts :

- ▶ Tansen Sangeet Samaroh - Gwalior (Twice)
- ▶ Bharat Bhavan - Bhopal
- ▶ NCPA (Gunijan Baithak) Mumbai
- ▶ Sawai Gandharv Music Festival-Kundgol
- ▶ Hari Vallabh Sangeet Sammelan, Jalandhar

- ▶ Hari Vallabh Sangeet Sammelan, Jalandhar
- ▶ MP Sangeet Samaroh - Jabalpur
- ▶ Amir Khan Samaroh - Indore (1998-2022)
- ▶ Sankat Mochan Sangeet Samaroh - Varanasi
- ▶ Karavali Festival - Manglore
- ▶ Pt. Abhisheki Sangeet Samaroh, Ujjain
- ▶ National Brihanmaharashtra Sangeet Sanmelan, Delhi
- ▶ Haveri Art Circle - Karnataka
- ▶ Hubli Art Circle - Karnataka
- ▶ Kanakvali Sangeet Sabha - Karnataka
- ▶ Sangeet Bharati - Manglore
- ▶ Kalabharati - Mumbai
- ▶ Murchhana '09 - Swaranjali, New Delhi
- ▶ Jalna Sangeet Utsav - Marathwada
- ▶ Kala Prakash - Varanasi
- ▶ Bhaskar Rao Morone Smruti Sangeet Samaroh - Nagpur
- ▶ Kalopasak Sangh - Amraoti
- ▶ Saptak And Sankalp - Ahmedabad
- ▶ Gunidas Sangeet Sammelan, Mumbai
- ▶ Bramahnad Sangeet mahotsav, Pune
- ▶ Epic Center - Delhi
- ▶ Ganmaharshi Panchakshri Sangeet Sammelan - Chennai
- ▶ Parangat Samaroh - Raipur (A Govt Program)
- ▶ Pt. Kumar Gandharv Festival (Phaltan) Pune
- ▶ Dr. Prabha Atre Foundation - Pune
- ▶ Nadbrahm - Boriwali
- ▶ Vyas Vandana - Chembur
- ▶ Sangeet Natak Academy-Ruh-E-Ghazal, Jashn-E-Begum Akhtar
- ▶ Samarpan - Vashi

Shobha Choudhary also attended many other music festivals in Maharashtra, U.P, M.P, Gujarat, Andhra Pradesh, Delhi, Karnataka, Himachal Pradesh, Rajasthan, Goa etc. She has also performed in variety of shows in U.S.A.

वंदनीय-आदर्शनीय



पं. बाळा साहब पँछवाले



पं. वामनराव राजुरकर



पं. सी.आर. व्यास



पं. विदुषी गिरिजा देवी



विदुषी गंगूबाई हंगल



पं. प्रभुदेव सरदार



पं. बाळा साहब पँछवाले



पं. सतीश व्यास



उस्ताद अमजद अली खाँ



उस्ताद ज़ाकिर हुसैन



व्यंग्य लेखक द.मा. मिरासदार



साहित्यकार सुश्री गिरिजा कीर



Shobha Choudhary

73-A Bhawanipur Colony, Near Annapurna Temple
Indore - 452 009 (M.P.) India
Tel : 0731-2792558, Cell : 09424848878, 08989505089
E-mail : choudhary.shobha@gmail.com
Website : www.shobhachoudhary.com